हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 40 | लखनऊ शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

सीएम योगी ने नव निर्मित कन्वेंशन सेंटर का भी किया लोकार्पण

सीएम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के लाभार्थियों को दिए चेक

झांसी। जनपद के दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को योजना के चेक प्रदान किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टूलकिट का वितरण किया। सीएम ने इस अवसर पर लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया। इसी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ ने नव निर्मित कन्वेंशन सेंटर का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत दयेश पाल को आइसक्रीम विनिर्माण के लिए, संतोष कुमार को टेंट हाउस के लिए, प्रतीक को फोटो फ्रेमिंग और पूजन सामग्री निर्माण के लिए, पवन गौहर को डीजे साउंड सिस्टम के लिए, रीना सोनी को ब्यूटी पार्लर के लिए और रोहित कुशवाहा को फ्लावर डेकोरेशन का काम शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से चेक प्रदान किए। इसके अलावा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को सीएम ने टूल किट प्रदान किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुशबू साहू, आशा देवी, ज्योति, मोनू श्रीवास, समित कुशवाहा और सोनिया कुशवाहा को योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के व्यवसाय से संबंधित टूल किट प्रदान किया। इस मौके पर स्थानीय जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

2027 में अकेले चुनाव लड़ेंगी मायावती

आकाश आनंद को आगे करते हुए कार्यकर्ताओं से की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। कांशीराम जी के पुण्यतिथि पर आज यूपी की जनता को बेहद जरूरत है। हमें बसपा को सत्ता में लाना है तभी बाबा साहेब के आरक्षण लाभों का पूरा लाभ वंचितों को मिल सकता है। यह कांशीराम जी के प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। बसपा सुप्रीमों ने भी सपा को उनके कार्यकाल की याद दिलाई और आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी भी जातिवाद करने में सबसे आगे थी। अब राजनीतिक फायदा उठाने के लिए पीडिए की हवाई बातें कर जनता को गुमराह कर रही है। रैली में संबोधन करने के दौरान मायावती ने कहा कि हमने यूपी में चौथी बार अपने बल बूते पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। लेकिन बीजेपी, कांग्रेस समेत दूसरी जातिवादी पार्टियों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। केंद्र की बीजेपी सरकार ने मेरे और मेरे परिवार के ऊपर झूठे मामलों में सीबीआई और इनकम टैक्स की जांच कराकर हमारी छवि धूमिल कराई। कांग्रेस ने भी इंसाफ न करके हमें उलझा दिया। हालांकि कोर्ट से हमें न्याय मिला।

एक विशाल जनसभा संबोधित करते हुए मायावती ने साफ कर दिया है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव अकेले ही लड़ेंगी। 2027 में वह किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करने वाली है। वहीं, इस मौके पर उन्होंने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते हुए कार्यकर्ताओं से उनके साथ खड़े रहने का आग्रह किया है। बता दें कि 9 अबक्टूबर को मायावती ने एक विशाल रैली को संबोधित किया। उनके भाषण के बाद उनके भतीजे आकाश आनंद ने भी कार्यकताओं के संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस बार यूपी में पांचवीं बार सर्वजन हिताय और सुखाय अकेले ही सरकार बनने जा रही है। इसकी

महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉमूर्ला जल्द हो जाएगा तैयार: राजेश राम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव तारीखों की घोषणा के बाद इंडिया ब्लॉक में सीट बंटवारे को लेकर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉमूर्ला जल्द तैयार हो जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि गठबंधन में किसी तरह का कोई टकराव नहीं है और महागठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। आईएएनएस से बातचीत में राजेश राम ने बताया कि दिल्ली में हुई कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी ने गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर कांग्रेस को आवंटित सीटों पर अंतिम मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि हमने सभी सहयोगी दलों के साथ मिलकर विधानसभा सीटों पर चर्चा की और उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया। जल्द ही एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी विधानसभा क्षेत्रों और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि गठबंधन में नए सहयोगी दलों के लिए जगह बनाई जा रही है और तालमेल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सीटों को अंतिम रूप दे दिया है और सीईसी की बैठक में इस पर मुहर लग चुकी है। वीआईपी नेता मुकेश सहनी के बयान पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने और मांग करने का हक है।

बिहार चुनाव: जन सुराज पार्टी की पहली सूची जारी, 51 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में जहां दोनों गठबंधनों, एनडीए और महागठबंधन, में सीट बंटवारे को लेकर स्थिति साफ नहीं हो सकी है, वहीं जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। जन सुराज ने बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। जन सुराज के अध्यक्ष उदय सिंह ने प्रेस वार्ता में उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची में 51 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम हैं। उन्होंने बताया कि जन सुराज ने वाल्मीकिनगर से दिग नारायण प्रसाद, लौरिया से सुनील कुमार, हरसिद्धि से अवधेश राम, ढाका से लाल बहादुर प्रसाद, सुरसंड से उषा किरण, रुन्नीसैदपुर से विजय कुमार साह, बेनीपट्टी से मोहम्मद परवेज आलम, निर्मली से राम प्रवेश कुमार यादव और सिकटी से राघिब बबलू को प्रत्याशी बनाया है।

एआई का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग जरूरीं : लोक सभा अध्यक्ष

बारबाडोस,: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों से आग्रह किया कि वे प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग करते हुए और डिजिटल डिवाइड की समस्या का समाधान करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विवेकपूर्ण और नैतिक उपयोग को बढ़ावा दें। बारबाडोस में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 68वें सम्मेलन के दौरान ह्यप्रौद्योगिकी का लाभ उठानाः डिजिटल परिवर्तनों के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाना और डिजिटल डिवाइड को दूर करना विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि आपसी सहयोग से और जानकारी साझा करते हुए यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी अवरोध न बनकर सेतु की भूमिका निभाए। अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास

और ई-संसद के उपयोग से हमारे संसदीय लोकतंत्र के कार्यकरण में बड़े पैमाने पर बदलाव आए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि ई-संसद पहल, ई-लोकतंत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे लोकतन्त्र में नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ रही है । श्री बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई-आधारित डिजिटल प्रणालियाँ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और समावेशी बना रही हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि एआई-आधारित अनुवाद, एआई-सक्षम ई-लाइब्रेरी और स्पीच-टू-टेक्स्ट रिपोर्टिंग जैसी प्रणालियाँ संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक सफल और समावेशी बना रही हैं। आगामी डिजिटल पहलों के बारे में बताते हुए, श्री बिरला ने कहा कि निकट भविष्य में, ₹संसद भाषिणी₹ जैसी रियल-टाइम एआई अनुवाद प्रणालियों से प्रत्येक संसद सदस्य को अपनी भाषा में संवाद करने में मदद मिलेगी, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तब मजबूत बनता है जब देश के नागरिक अपनी संसद से गहराई से जुड़े होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस जुड़ाव को मजबूत करने में तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

खेलों से आत्मनिर्भर और सशक्त होगा नया यूपी: सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि स्वस्थ शरीर ही धर्म और राष्ट्र निर्माण का आधार है और खेलों से नया उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में योगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की। उन्होने कहा कि खेल अब केवल शौक नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का सशक्त माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा श झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और पराक्रम की धरती पर विद्या भारती के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विद्या भारती देश में भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीयता के प्रति श्रद्धा जगाने वाली अग्रणी संस्था है। 1952 में गोरखपुर में नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस संस्था ने आज देशभर में 25 हजार से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विद्या भारती के प्रथम छात्र देवेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए

कहा कि यह संस्था बिना सरकारी सहयोग के राष्ट्रीय आदर्शों को जीवंत रखने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि झांसी की यह धरती राष्ट्रीयता और शौर्य की प्रेरणा देती है। विद्या भारती के प्रयास देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समारोह में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला। बुंदेली राई नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले शीलू यादव, आदेश सिंह, शहंशाह, बसंत कुमार गोला और संध्या राजपूत को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनुशासन ट्रॉफी गोरक्ष प्रांत ग्रामीण की टीम को प्रदान की गई, जबकि ओवर ऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी काशी प्रांत नगरीय की टीम ने अपने नाम की। योगी ने विद्या भारती की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह संस्था भारत की परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने वाली अग्रणी शक्ति बन चुकी है। 1952 में गोरखपुर की धरती पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा बोए गए बीज से आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सेक्युलर दिखाने की होड़ ने भारतीय मूल्यों को हाशिए पर धकेला, लेकिन विद्या भारती ने बिना सरकारी सहयोग के गाँव से शहर और वनवासी क्षेत्रों तक शिक्षा का राष्ट्रीय मॉडल खड़ा किया। उन्होने कहा आज इस वीरभूमि में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मेंमेरी झांसी गुलाम नहीं होगीश्का संदेश दिया और 23 वर्ष की आयु में बलिदान दे दिया। मेजर ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया। आज उनके नाम पर भारत सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार और प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

कांग्रेस के तीन विधायक निलंबित

सोने की परत चढ़ाने में कथित घोटाले का विरोध बनी वजह

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक मूर्तियों पर चढ़ाई गई स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य भर की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट तेज है। वहीं इस राजनीतिक गर्माहट की गूंज बीते कुछ दिनों से विधानसभा में भी सुनने को मिल रहा है। फलस्वरूप केरल विधानसभा में गुरुवार को लगातार चौथे दिन विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही बाधित रही। इसके चलते कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ)

के तीन विधायकों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। बता दें कि निलंबित किए गए विधायकों में रोजी एम जॉन, एम विन्सेंट और सनीश कुमार जोसेफ शामिल हैं। इन तीनों पर विधानसभा के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। इसके बाद विधानसभा में विपक्षी विधायकों के व्यवहार को लेकर संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने प्रस्ताव रखा कि नियमों के उल्लंघन के चलते इन विधायकों को मौजूदा सत्र से निलंबित किया जाए और साथ ही इस प्रस्ताव को सदन ने पारित कर दिया। विधानसभा में विपक्ष का बहिष्कार बता दें कि जब यह प्रस्ताव सदन में पारित किया गया, तब विपक्ष के सदस्य सदन से बाहर थे। दरअसल, विपक्ष ने सुबह की कार्यवाही का बहिष्कार किया था। उनका आरोप है कि सबरीमाला के प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर में 'द्वारपालक' (रक्षक देवता) की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में भारी अनियमितताएं हुई हैं। विपक्ष का कहना है कि अयप्पा मंदिर की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने के काम में घोटाला हुआ है और इसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं।

गोवा में कांग्रेस के साथ गठबंधन से आम आदमी पार्टी का इनकार, दल-बदल की चिंताओं के चलते लिया फैसला

पणजी (एजेंसी)। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) ने स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन में नहीं जाएगी। पार्टी ने कहा कि यह निर्णय दल में चचाओं के बाद लिया गया क्योंकि कोई भी यह गारंटी नहीं दे सकता कि कांग्रेस के विधायक भविष्य में फिर से सत्ता में मौजूद भाजपा में शामिल नहीं हो जाएंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब गोवा आप के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कलंगुटकर ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफे का कारण बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने

2027 के विधानसभा चुनावों में अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन न करने का निर्णय लिया है। कलंगुटकर का मानना है कि इससे विपक्षी वोट बंट जाएंगे और भाजपा को फायदा होगा। हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे- पालेकर आप के गोवा अध्यक्ष अमित पालेकर ने बयान में कहा कि राजेश कलंगुटकर ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास कई चचाएं हुईं, और हमने स्पष्ट निर्णय लिया कि हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। इसका कारण यह है कि कोई यह नहीं बता सकता कि कांग्रेस के विधायक फिर से भाजपा में शामिल नहीं होंगे।'

फरुर्खाबाद में बड़ा विमान हादसा टला, टेकऑफ के समय रनवे से फिसला प्राइवेट जेट

फरुर्खाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में फरुर्खाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। एक प्राइवेट जेट टेकऑफ करते समय रनवे से फिसलकर पास की झाड़ियों में जा घुसा। गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। विमान में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हादसे के दौरान विमान में दो पायलट समेत कुल छह लोग सवार थे। प्राइवेट जेट में एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय अरोड़ा, एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारी सुमित शर्मा और जिला परियोजना अधिकारी (डीपीओ) राकेश टीकू भी मौजूद थे। पायलटों की पहचान कैप्टन नसीब वामल और प्रतीक फर्नांडीज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी लोग भोपाल से फरुर्खाबाद आए थे। उनका उद्देश्य खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में बन रही एक बीयर फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करना था। इसके लिए वे प्राइवेट जेट से मोहम्मदाबाद हवाई पट्टी पर पहुंचे।

वक्फ संपत्ति पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की याचिका मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने पर विचार के लिए याचिका को सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले वक्फ-बाय-यूजर प्रावधान को लेकर पहले भी कोर्ट ने अधिनियम की कुछ धाराओं पर रोक लगाई थी। इसके बाद कोर्ट ने गुरुवार को सभी वक्फ संपत्तियों, जिसमें वक्फ-बाय-यूजर भी शामिल है, की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की मांग वाली याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दी। इससे पहले 15 सितंबर को कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की कुछ मुख्य धाराओं पर अस्थाई

रोक लगा दी थी। इनमें यह शर्त शामिल थी कि केवल वे ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम धर्म का पालन कर रहे हों। हालांकि कोर्ट ने पूरी अधिनियम पर रोक लगाने से इनकार किया था और इसे संवैधानिक माना था।

अयोध्या में भीषण ब्लास्ट के बाद मकान ढहा ,5 की मौत

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के पगला भारी गांव में गुरुवार को एक भीषण धमाके के बाद मकान ढहने से 5 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं। इस धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा थाना पूराकलंदर क्षेत्र के अंतर्गत हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमाका पटाखों या गैस सिलेंडर के फटने की वजह से हो सकता है। फिलहाल, इसकी सही वजह की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि पटाखों के विस्फोट या गैस सिलेंडर के फटने से यह हादसा हुआ। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही सटीक कारण स्पष्ट हो पाएगा। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। धमाके में 3 बच्चों की मौत ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। इस हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उनका समुचित इलाज सुनिश्चित करने के लिए कहा। साथ ही, उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। थाना पूराकलंदर के नजदीक हुए इस हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

पहलगाम की नाकामी को एशिया कप से कैसे ढंक पायेंगे मोदी !

>> विचार

“ तुर्की और अज़रबैजान हमारे दुश्मन हैं, क्योंकि वे पाकिस्तान के दोस्त हैं। पूरा अफ्रीकी महाद्वीप (54 में से 53 देश, पुराने स्वाज़ीलैंड को छोड़कर) चीन के बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम का हिस्सा हैं और यह कहना सही होगा कि अब हमारा उन पर ज़्यादा प्रभाव नहीं है और वे हमारे लिए ज़्यादा उपयोगी नहीं हैं। यही बात और उन्हीं कारणों से मध्य एशिया और आसियान देशों पर भी लागू होती है। आसियान के साथ भारत का व्यापार चीन के साथ उसके व्यापार का 10% है, और अफ्रीका के साथ एक-चौथाई। हमने रूस के साथ एक लेन-देन वाला रिश्ता बनाया है, उसे सिर्फ़ हथियारों और अब तेल के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया है।

पंकज श्रीवास्तव

भारत ने 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए एशिया कप 2025 का फाइनल जीत लिया। भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर नौवीं बार ट्रॉफी अपने नाम की। पाकिस्तान ने 146 रन बनाए, और तिलक वर्मा की नॉटआउट 69 रनों की पारी ने भारत को जीत दिलायी। लेकिन यह जीत उत्साह के बजाय विवादों में घिर गई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल (अउउ) के चेयरमैन और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया और खिलाड़ियों की मैच फ़ीस भारतीय सेना को दान करने का ऐलान किया। बीसीसीआई ने भी इसका समर्थन किया। और प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि यह खेल के मैदान में ऑपरेशन सिंदूर था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने से लेकर ट्रॉफ़ी न लेने तक का फैसला खिलाड़ियों का था या फिर सरकार की ओर से थमाई गयी स्क्रिप्ट का हिस्सा। क्या सरकार खेल को युद्ध के मैदान में बदलकर पहलगाम में हुई नाकामी पर पर्दा डालना चाहती है?

एशिया कप : एशिया कप, एसीसी का एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, जो 1984 से आयोजित होता है। इसका मकसद एशियाई देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देना और आपसी दोस्ती को मजबूत करना है। 1984 से 2014 तक यह ज्यादातर वनडे फॉर्मेट में खेला गया, लेकिन 2016, 2022 और 2025 में टी-20 फॉर्मेट में हुआ। इस बार आठ टीमें थीं: भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, ओमान और यूएई। टूर्नामेंट 14 सितंबर से शुरू हुआ और दुबई में न्यूट्रल वेन्यू पर खेला गया, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया था।

ट्रॉफी विवाद : फाइनल के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ड्रामा हुआ। एसीसी चेयरमैन मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और मंत्री भी हैं, ट्रॉफी देने आये थे। लेकिन सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम उस देश से ट्रॉफी नहीं लेंगे जो हमारे खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। सेरेमनी एक घंटे लेट

हुई, पाकिस्तानी टीम ड्रेसिंग रूम में रही, और नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये। चर्चा थी कि भारत अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष से ट्रॉफी ले सकता था, लेकिन अंत में ट्रॉफी नहीं ली गयी। शायद यह पहला मौका था जब कोई चैंपियन टीम बिना ट्रॉफी के जश्न मना रही थी। सूर्यकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने कभी नहीं देखा कि चैंपियन को ट्रॉफी न मिले, लेकिन मेरे लिए असली ट्रॉफी मेरी टीम है। उन्होंने अपनी और खिलाड़ियों की मैच फीस भारतीय सेना को दान करने का ऐलान भी किया।

पहलगाम हमला : इस फैसले की पृष्ठभूमि में अप्रैल 2025 का पहलगाम हमला था, जिसमें 26 लोग मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया जिसमें पोक और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये गये। टूर्नामेंट में भारत ने तीनों भारत-पाक मैचों में टॉस और मैच के बाद हाथ मिलाने से भी इनकार किया था। इसे पहलगाम हमले का विरोध बताया गया था। पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर जनता के आक्रोश का निशाना बनी बीसीसीआई भी इस मामले में खिलाड़ियों के साथ थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, भारत उस व्यक्ति से ट्रॉफी नहीं ले सकता जो हमारे देश के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है। नकवी का ट्रॉफी और मेडल होटल ले जाना बचकाना और अस्वीकार्य है। बीसीसीआई ने आईसीसी की नवंबर बैठक में विरोध दर्ज कराने की बात कही।

खेल भावना या प्रचार? : भारतीय खिलाड़ियों का यह क़दम खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है। हालाँकि ये सवाल भी है कि ऐसा खिलाड़ियों ने दबाव में किया। क्योंकि सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल है जिसमें टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सूर्य कुमार यादव मोहसिन नक़वी से हाथ मिलाते नज़र आ रहे हैं। यानी पंद्रह दिन में रुख़ बदल गया। ये संयोग नहीं कि टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह खेल से ज्यादा राजनीतिक स्टैंड था। कुछ का मानना है कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर उठ रहे सवालों को दबाने के लिए यह ड्रामा रचा गया। पहलगाम पर सवाल थे कि खुफिया एजेंसियां क्यों विफल रहीं? घटनास्थल पर सुरक्षा बल क्यों नहीं थे? ऑपरेशन सिंदूर में कितने लड़ाकू विमान गिरे? ट्रंप के युद्धविराम दावे का खंडन क्यों नहीं हुआ? शहीदों के परिजनों के विरोध के बावजूद पाकिस्तान के साथ मैच क्यों खेला गया?

खेल या युद्ध? : प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह खेल में मिली जीत को जंग से जोड़ा है, उससे सवाल उठता है कि अगर भारत हार जाता, तो क्या होता? ऐसा नहीं है कि भारत कभी पाकिस्तान से मैच हारा नहीं। क्या क्रिकेट की जीत-हार को देश की जीत-हार से जोड़ा जा सकता है? बिल्कुल भी नहीं। अगर ऐसा होता, तो युद्धों की जगह क्रिकेट या कुश्ती से फैसले हो जाते। खेल का मकसद तनाव कम करना है, न कि बढ़ाना। लेकिन इस बार क्रिकेट को युद्ध का मैदान बनाया गया।

भारत-पाक टी-20 आंकड़े : 2006 से टी-20 शुरू होने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच 15 टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए। भारत ने 11 जीते (एक बाउल-आउट से), पाकिस्तान ने 3, और एक टाई रहा। एशिया कप में 6 टी-20 मैचों में भारत 5-1 से आगे है। यह दर्शाता है कि मैदान पर भारत का दबदबा है, लेकिन पाकिस्तान ने भी मैच जीते हैं।

इतिहास से सबक : 1974 में भारत ने डेविस कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नहीं खेला। वजह थी रंगभेद नीति। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने तय किया था कि भारत नहीं खेलेगा वरना दक्षिण अफ्रीकी सरकार की रंगभेद नीति को वैधता मिलेगी। तब विजय और आनंद अमृतराज की अगुआई वाली टीम की जीत तय थी, लेकिन इंदिरा गांधी सरकार ने सैद्धांतिक स्टैंड लिया। दक्षिण अफ्रीका को डिफॉल्ट से विजेता घोषित किया गया पर दुनिया भर में भारत का मान बढ़ा। पाकिस्तान के साथ मैच खेलना और फिर हाथ न मिलाना या ट्राफ़ी लेने से इंकार करना, दुनिया की नज़र में महज़ पाखंड है।

क्या था विकल्प? : भारत-पाक मैचों की टीआरपी और प्रायोजकों की भीड़ इउउक को आर्थिक लाभ दिलाती है। अगर भारत नहीं खेलता, तो टूर्नामेंट रद्द हो सकता था, और क्ठउ में केस बनता। लेकिन यह दुनिया को संदेश देता कि भारत आतंकवाद के खिलाफ गंभीर है। एशिया कप 2025 की ट्रॉफी जीतना भारत के लिए गर्व का क्षण था। लेकिन इसे युद्ध और प्रचार के रंग में रंग दिया गया। हैरानी की बात तो ये है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर प्रधानमंत्री कार्यालय की प्रतिष्ठा गिरायी है। दुनिया की नज़र में भारत के शीर्ष नेताओं और पाकिस्तान के नफ़रती और बयानबाज़ नेताओं में कोई फ़र्क़ नहीं रह गया है। पाकिस्तान के स्तर पर उतरना भारत की महानताओं पर एक धक्का ही है।

संपादकीय

आधुनिक जीवनशैली गंभीर चेतावनी

संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, प्रदूषण रहित वातावरण और सकारात्मक सोच जैसे तत्त्व ही स्वस्थ जीवन का आधार होते हैं। मगर हमारी बदलती जीवनशैली में इन तत्त्वों का अभाव साफ देखा जा सकता है। इसका असर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सब पर पड़ रहा है। यही वजह है कि अब बच्चों और किशोरों में भी कई तरह के शारीरिक एवं मानिसक विकार पैदा हो रहे हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से हाल में देशभर के बच्चों के स्वास्थ्य पर जारी की गई रपट में भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसमें कहा गया है कि पांच से नौ वर्ष की आयु के एक-तिहाई से अधिक बच्चे रक्त में ज्यादा वसा जमा हो जाने की समस्या से ग्रसित हैं, जो भविष्य में हृदय रोग, मधुमेह और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। ये आंकड़े सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को उजागर करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारी आधुनिक जीवनशैली को लेकर एक गंभीर चेतावनी भी है। इस रपट से पता चलता है कि पहले जिन रोगों का खतरा अधेड़ और वृद्ध लोगों को होता था, उनकी जद में अब बच्चे भी आने लगे हैं। बच्चों के रक्त में ज्यादा वसा की समस्या से जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यह वास्तव में दुखद स्थिति है कि पश्चिम बंगाल में 67 फीसद से अधिक, सिक्किम में 64 फीसद, नगालैंड में 55 फीसद, असम में 57 फीसद और जम्मू-कश्मीर में 50 फीसद बच्चों में यह समस्या पाई गई है। जाहिर है कि इस समस्या का एक कारण हमारे खानपान का बदलता स्वरूप और परिवारों में इसके प्रति लापरवाही भी है। घर के बजाय बाहर के भोजन और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री पर बढ़ती निर्भरता का असर बच्चों की सेहत पर भी पड़ रहा है। यही नहीं, रपट में यह तथ्य भी सामने आया है कि देश के लगभग पांच फीसद किशोर उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। ऐसे में जरूरत है भौतिक संसाधनों के पीछे भागने के बजाय स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने की, ताकि इस तरह के विकारों को पनपने का मौका ही नहीं दिया जाए।

बचत उत्सव मनाने की तार्किकता

सुरेश सेठ

देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा। जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा। कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं। 12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए। पहली बात समझ लीजिए कि इन 375 वस्तुओं को 54 वस्तुओं के वर्ग में बांध दिया गया है। यहां घटी हुई कीमतें दिखाई जाएंगी। सरकार का हुक्म है कि हर बेची जाने वाली कीमत पर पुरानी कीमत और अब घटी हुई नई कीमत की स्लिप लगाई जाए। यह सावधानी इसलिए क्योंकि जिन दुकानदारों के पास पुरानी एमआरपी का सामान स्टॉक में है, उनकी स्लिप भी वही कीमत दिखाएगी। इसलिए अब घटी हुई कीमतों का स्टिकर लगाना जरूरी है। आदेश है कि पुराना स्टॉक होने के बहाने आप घटी कीमत देने से बच नहीं सकते। 22 सितंबर के बाद बिक्री योग्य हर सामान नई घटी कीमतों पर ही बेचा जाएगा। चौकसी रखने वाले अधिकारी देखेंगे कि इन आदेशों का पालन हो रहा है या नहीं। बिल बनाएंगे तो आपको साफ दिखेगा कि कीमत कटौती का पूरा लाभ आपको मिला है या नहीं, क्योंकि इस बिल पर नई दरों के आधार पर टैक्स घटा है या नहीं, इसकी जांच हो जाएगी। अब उम्मीद तो यही है कि कीमतें घटने के कारण सस्ती हुई इन वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। महंगाई घटेगी। इससे प्रोत्साहित होकर निवेशक उत्पादन बढ़ाएंगे और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे ही यह कानून लागू हुआ तो शेयर मंडियों की पहली प्रतिक्रिया सूचकांक के गिरने की थी। कारण यही है कि मांग तो बाद में बढ़ेगी लेकिन फिलहाल तो कीमतें कम होने से घाटा बढ़ गया। सरकार ने पुरानी एमआरपी पर खरीदी वस्तुओं की क्षतिपूर्ति करने का जो वादा किया है, उसका भुगतान भी दफ्तरी कार्रवाई के बाद आने वाले दिनों में होगा। वैसे जीएसटी की इस कटौती के बाद सोना, चांदी, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, स्मार्टफोन, लैपटॉप की कीमतों पर असर नहीं होगा। कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिन पर या तो पहले ही टैक्स कम है या उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। अब यदि दुकानदार पुरानी एमआरपी पर सामान बेचता है तो सरकार ने उसके विरुद्ध शिकायत करने के लिए टोलफ्री नंबर दे दिया है। लेकिन आम राय यह है कि मंडियों को नए कानून से समायोजित होने में देर लगती है। कभी इस इंतजार में नौकरशाही ढीली पड़ जाती है और कंपनियां इस घटी हुई दरों को समायोजित कर लेती हैं। बहरहाल, यदि जीएसटी घटने का असर स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने के रूप में होता है तो यह शुभ है। इस प्रकार की कर कटौती से लाया गया सस्ता युग दीर्घकालीन नहीं रहता। अतः जरूरी है कि जो भी सुधार लागू किया जाए, उसके सभी भागों के संतुलन की ओर ध्यान देना भी सही आर्थिक नीति है। सस्ता युग लाना है तो केवल कर घटाने से काम नहीं होगा, उत्पादन लागत का संतुलन भी जरूरी है, जो उत्पादकता के उपकरणों की लागत को घटाने से होगा। वह लागत तभी घट सकती है, अगर डिजिटल युग, रोबोटिक युग और कृत्रिम मेधा के उपकरणों का इसके लिए इस्तेमाल किया जाए। शायद अंतर्राष्ट्रीयकरण के इस युग में पूरी तरह स्वदेशीकरण पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, लेकिन देश आत्मनिर्भर तो हो ही सकता है। एक आत्मनिर्भर देश में जहां कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है, बेकारों को नया रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है, तो फिर बेशक कर कटौती के इस उत्सव का अर्थ सार्थक हो जाता है।

(लेखक साहित्यकार हैं।)

जनता का लॉकडाउन पाक के मुंह पर करारा तमाचा

हरिॐ पंजवानी

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) में जनता पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार को बेनकाब करने में जुटी है। सरकार के खिलाफ जनता के लॉकडाउन का ऐलान बताता है कि जनता पाक शासन की नीतियों से तंग आ चुकी है। पीओजेके के आंदोलनरत लोगों की मांगों की सुनवाई करने के बजाए इसे कुचलने के प्रयास हो रहे हैं। अब तो दुनिया यह जान चुकी है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को सिर्फ भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लॉचिंग पैड के रूप में ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। नागरिकों के दुःख-दर्द से उसका कोई सरोकार नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर तंगी की शिकार पाकिस्तान की सरकार ने सदैव अपने कब्जे वाले इस इलाके की अनदेखी ही की है। यही वजह है कि पीओजेके में पानी, बिजली, अस्पताल, स्कूल, सडक़, परिवहन व अन्य आधारभूत संसाधनों से लेकर खाद्य सामग्री तक का संकट रहता है। आटे तक के लिए तो वहां आए दिन त्राहि-त्राहि मच जाती है। सब यह भी जानते हैं कि पाकिस्तान खुद भी अमरीका और कुछ अरब देशों के रहमोकरम पर आश्रित है। हालत यह हो गए हैं जो देश अपने खुद के नागरिकों का खयाल नहीं रख पा रहा वह भला अपने कब्जे वाले क्षेत्र के लोगों की सुध क्यों लेने लगा? पीओजेके के नागरिक भी इस अंतर को अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारत में देश का स्वर्ग कहलाने वाला जम्मू-कश्मीर हर क्षेत्र में प्रगति और विकास के सोपान-दर-सोपान तय कर कहां से कहां पहुंच गया और पाक शासन की अनदेखी से वे दुर्दशा की इंतहा भोग रहे हैं। यह सच है कि भारत को भी कश्मीर को संवारने में वक्त लगा है। अभी विकास के कई काम और हो रहे हैं। कुछ समय लगा है तो वो भी इसलिए कि पाकिस्तान ने इस क्षेत्र में लगातार आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर क्षेत्र को अस्थिर करने का काम किया। सबसे बड़ी बात यह है कि पीओजेके के आम नागरिक इस बात के कतई हिमायती नहीं है कि उनकी जमीन को आतंक को प्रश्रय व प्रोत्साहन देने जैसी गतिविधियों में काम लिया जाए। पाक शासन के जुल्म की इंतहा ने अब पीओजेके के लोगों को उग्र आंदोलन करने को मजबूर कर दिया है। वहां सोमवार को शुरू हुआ जनता लॉकडाउन अनिश्चितकालीन तो है ही, साथ ही अपनी आजादी की मांग का बिगुल भी है। पीओजेके के लोग क्या चाहते हैं यह भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पहले ही भांप लिया था। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि पीओजेके को वापस लेने के लिए भारत को किसी सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं होगी। एक दिन वहां के नागरिक खुद भारत में शामिल हो जाएंगे। आज वहां से आजादी की मांग उठी है तो वह समय भी दूर नहीं, जब उधर से भारत में शामिल होने की गूंज भी उठेगी। पाक को उसकी करतूतों की सजा मिलनी ही चाहिए।

दादा मियां का ऐतिहासिक कुल शरीफ आज

करवा चौथ को होता है कुल शरीफ

देवा शरीफ बाराबंकी। दुनिया को शांति भाईचारा और मेल मिलाप मोहब्बत का संदेश देने वाले महान सूफी संत हजरत हाजी सैय्यद वारिस अली शाह के पिता हजरत सैय्यद कुर्बान अली शाह दादा मियाँ का ऐतिहासिक कुल शरीफ अपनी पुरानी परम्परा व अकीदत के साथ 10 अक्टूबर शुक्रवार को दिन मे तीन बजे पूरे शान व शौकत के साथ होगा। विदित हो की सुप्रसिद्ध सूफी संत हजरत हाजी वारिस अली शाह ने करीब 176 वर्ष पूर्व अपने पिता हजरत कुर्बान अली शाह दादा मिया की याद में हिंदी माह के कार्तिक माह मे करवा चौथ को देवा मेला के तौर पर शुरूआत की थी। अपने पिता की याद मे इतना भव्य मेला लगाने के पीछे हजरत वारिस अली शाह का उद्देश्य यह था की साल मे एक जगह एक समय मे अपने मुरीदो और चाहने वालों को जमा करके मुलाकात (दर्शन) हो। क्यूँकि वारिस पाक ज्यादातर सफर पर रहा करते थे। जिसके कारण मुरीद और चाहने वालों से मुलाकात नही हो पाती थी हजरत वारिस पाक के द्वारा डाली गयी कुल शरीफ की ऐतिहासिक रवायत परम्परा को शुक्रवार दरगाह हजरत सय्यद कुर्बान अली शाह दादा मियाँ के आस्ताने के सज्जादा नाशीन हाजी सय्यद उस्मान गनी शाह द्वारा अदा की जायगी। इस दौरान वह हजरत हाजी वारिस अली शाह की पालकी में सवार होकर वारिस पाक के चाहने वालों के साथ दादा मियाँ के आस्ताने पर तशरीफ लाएंगे।

एक जाति धर्म नहीं बल्कि पूरी इंसानियत के हजरत इमाम - मौलाना गयासुद्दीन

देवा शरीफ बाराबंकी। अहले बैत की पैरवी व सच्ची मोहब्बत और अकीदत रखना ईमान का हिस्सा है। दुनिया के बड़े ताजदार तो मिट सकते है बड़े बड़े जालिम बाद शाह नष्ट हो सकते है मगर राहे खुदा में अपने प्राण को कुर्बान करने वाले सदेव जिंदा रहेंगे। क्यूँकि हयात शोहदा की गवाही कुरआन दे रहा है। उक्त बातें दरगाह हजरत कु र्बान अली शाह दादा मियाँ केसज्जादा नाशीन हाजी सैय्यद उस्मान गनी शाह के समा खाने में आयोजित महफिले मीलाद और जिक्र शोहदाए करबला के अवसर पर इमाम मस्जिद आस्ताना वारिस पाक मौलाना गयासुद्दीन ने कहीं। मौलाना ने आगे कहा की फिरौन मिट गया नमरुद फना हो गया, अबुजहेल खत्म हो गया और यजीद बे निशान हो गया मगर सैय्यदा फातिमा का लाल अभी जिंदा हैं उनके नाम लेवा और उनके गुलाम अभी भी जिंदा हैं। मौलाना ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने करबला की जमीन पर सच्चाई और झूठ के बीच रेखा खींच कर ऐलान कर दिया कि इस्लाम के लिए सब कुछ कुर्बान कर देना ही एक मोमिन की शान होना चहिये। हजरत इमाम हुसैन किसी जाती धर्म तक सीमित नहीं बल्कि पूरी इंसानियत के है। महफिल की अध्यक्षता सज्जादानशीन हाजी सैय्यद उस्मान गनी शाह ने की। मेहमानो का शुक्रिया सैय्यद अयान गनी ने अदा किया इस दौरान भारी संख्या मे अकीदतमंद मौजूद थे।

रनवे पर टेकआफ के दौरान दाहिने पहिए में हवा कम होने के कारण विमान दाहिनी और ही मुड़ता चला गया और बाउंड्री वाल से पहले रुक गया हवाई पट्टी की बाउंड्री बोल के पास जाकर खड़ा हो गया

कमलकांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

मोहम्मदाबाद टेक ऑफ के दौरान दाहिने पहिए में हवा कम होने के कारण विमान दाहिनी और चला गया और हवाई पट्टी की बाउंड्री वाल से 3 मीटर दूर जाकर रुक गया नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था बताते चले कि हवाई पट्टी से महेश 600 मीटर दूर एक पेट्रोल पंप है वही प्रोजेक्ट है मनीष पांडे ने पायलट पर लापरवाही का आरोप लगाया पायलट ने उनकी किसी बात का जवाब नहीं दिया वहीं दूसरी औरबव अजय वर्मा पेपर पहुंची तो उन्होंने गार्ड के हेड कांस्टेबल नरेश सिंह अन्य पुलिस कर्मियों की फटकार लगाई तत्काल सूचना न

देने का कारण पूछा इस पर पुलिसकर्मियों ने बताया कि वह लोग विमान में सवाल लोगों को उतारने में लग गए थे अचानक जय हादसा देखा तो उसे और 600 मीटर दूरी पर स्थित है एक पेट्रोल पंप हवा कम होने की बात पर पायलटो ने शादी चुप्पी हवाई पट्टी परिसर में है बड़ी-बड़ी झाड़ियां मोहम्मद आबाद राजकीय हवाई पट्टी पर तैनात उनके विभाग के कर्मचारी हीरालाल और अटल बिहारी ने बताया कि हवाई पट्टी पर रनवी एवं भवानी के आसपास बड़े-बड़े पेड़ एवं झाड़ियां खड़ी है जिसकी सूचना विभाग को कई बार लिखित में दी जा चुकी है इसके बाद भी ईश्वर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है हवाई पट्टी की सफाई नहीं कराई गई जमीन सूअर आ जाते हैं दौड़ पड़े जिस कारण सूचना देने में देरी हुई वह वाले सेट न होने पर ब्व ने इसको लगवाने के निर्देश दिए को ने बताया कि एक प्लेन रनवे से उतर गया दोनों पायलट पर लापरवाही का लगाया आरोप प्रोजेक्ट आया कि सुबह हवाई पट्टी पर तैनात स्टाफ ने विमान के दाएं पहिए में हवा कम होने की सूचना पायलट को अच्छी जिस पर पायलट ने पहिए के फोटोग्राफ भी लिए थे हवा कम होने के बावजूद प्लेन की टेक अ७फ के लिए रनवे पर लगा दिया पायलट ने लापरवाही भर्ती है विमान आगरा के लिए रवाना हो रहा था क्योंकि वहां पर लेने के बाद सभी लोग भोपाल जा रहे थे इसमें दो लोगों के हल्की चोट आए हैं वही हवाई पट्टी के कर्मचारी हीरालाल और अटल बिहारी ने बताया कि विमान रात भर यहां खड़ा था हवा कम होने की सूचना पायलट को दी थी घटना की सूचना पर एसडीएम सदर रजनीकांत पांडे एसडीम रविंद्र कुमार ब्व अजय वर्मा पहुंचे तेल का होने लगा रे सब मोहम्मद आबाद राजकीय हवाई पट्टी पर जब निजी कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ और इसकी जानकारी पुलिस टीम को हुई तो ऐसे में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे बव ने बताया की प्लेन जिसमें पांच लोग सवार थे वह भोपाल जा रहा था इसमें पायलट सहचालक के अलावा कंपनी के अधिकारी थे कोई जानवर की हानि नहीं हुई है रनवे से उतरने के कर्म का टेक्निकल टीम द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है जिसके बाद कार्रवाई होगी हवाई पट्टी पर विमान दुर्घटना को लेकर जानकारी करने पहुंचे एसडीम पायलट से जानकारी करते इंस्पेक्टर तकनीकी खराबी से हवाई पट्टी पर स्लिप हो गया प्लेन रेडिएशन प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के जनरल मैनेजर विवेक यादव के अनुरोध पर कंपनी का वायुयान भी 200cc को हवाई पट्टी मोहम्मदाबाद में 8 अक्टूबर को सुबह 10.00 बजे लैंडिंग और शाम 4.00 बजे टेकऑफ की अनुमति प्रदान की गई थी जो की 8 अक्टूबर को अपर्णा 3.10 बजे हवाई पट्टी मोहम्मदाबाद पर लैंड किया गया था मौसम खराबी विजिबिलिटी डाउन होने के कारण यह निर्धारित तिथि 4 अक्टूबर को टेक आफ नहीं हो पाया इस वजह से रात्रि पार्किंग की गई डिप्टी कलेक्टर रविंद्र सिंह ने बताया कि एयरक्राफ्ट 9 अक्टूबर को सुबह डिप्टी कलेक्टर ने डीएम को जांच के बाद भी रिपोर्ट मौसम की खराबी के कारण नहीं उड़ा था जीत10.15 बजे टेकऑफ के दौरान तकनीकी खराबी के कारण हवाई पट्टी पर स्लिप हो गया इसमें कैप्टन नसीब प्रतीक सुरेंद्र कुमार तकनीशियन और तीन पैसेंजर अजय अरोड़ा राकेश सुमित शर्मा सवार थे जिसमें कप्तान टेक्नीशियन या पैसेंजर में कोई भी अनहोनी नहीं हुआ है कंपनी की टीम प्रकरण की जांच की जा रही है मौके पर एंबुलेंस अग्निशमन वाहन और सुरक्षा व्यवस्था कराई गई है।

अपनी बिछड़ी मां से मिलेगा शावक, पिंजरे में कैद

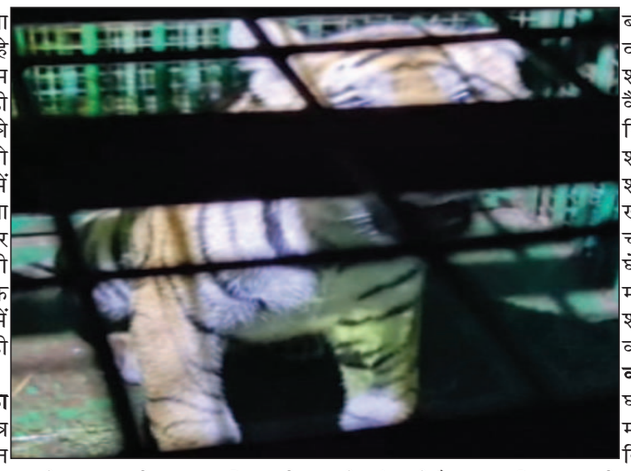

महोली (सीतापुर)। महोली थाना क्षेत्र में देर शाम दो महीने से चल रहे ऑपरेशन टाइगर के तहत बुधवार शाम वन विभाग को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। नरनी गांव में गन्ने के खेत में छिपे एक बाघ के शावक को आखिरकार ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में कैद कर लिया गया है। यह सफलता एक महीने के भीतर बाघ, बाघिन और उनके दो शावकों को पकड़ने की श्रृंखला में एक और कड़ी है। हालांकि एक और शावक अभी भी इलाके में मौजूद है। जिसकी तलाश की जा रही है।

बाघ, बाघिन और शावकों का आतंकपिछले दो महीनों से महोली क्षेत्र में बाघों का आतंक बना हुआ था। वन विभाग ने पहली सफलता तब हासिल की जब उसने एक बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर पकड़ा, जिसने इलाके में दहशत फैला रखी थी। 5 अक्टूबर को बाघ के पकड़े जाने के बाद, उसके शावकों के साथ घूम रहे एक नर बाघ को भी ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में कैद किया गया। 8 अक्टूबर 2025 बुधवार को नरनी गांव में बाघिन के दो शावकों में से एक को भी पकड़ लिया गया है। बाघिन और बाघ के पकड़े जाने के बाद वन विभाग की टीम लगातार दोनों शावकों की तलाश कर रही थी। ड्रोन कैमरे की मदद- टाइगर एक्सपर्ट टीम ने पिछले 24 घंटों से ड्रोन कैमरों के जरिए शावकों पर नजर रखी हुई थी। बुधवार शाम करीब 6 बजे दोनों शावक एक खेत में देखे गए। टीम ने तुरंत खेत के चारों ओर जाल बिछाकर उनकी घेराबंदी की। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद, विशेषज्ञों ने एक शावक को सफलतापूर्वक ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में कैद कर लिया।**ग्रामीणों को मिली राहत**लगातार होती इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। इस सफल ऑपरेशन से वन विभाग की टीम और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इस अभियान का नेतृत्व कर रहे डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि दूसरे शावक को भी जल्द पकड़ने का प्रयास जारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। वन विभाग शावकों को पकड़ने के बाद उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर भेजने की तैयारी में है। इससे पहले पकड़ी गई बाघिन को गोरखपुर चिड़ियाघर भेजा गया था।

एक नजर

बौद्धिक सत्र के बाद आरएसएस ने किया पथ संचलन

महमूदाबाद (सीतापुर)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से नगर क्षेत्र में विजयादशमी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के तहत बौद्धिक सत्र के बाद पथ संचलन का भी आयोजन किया गया। पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन के साथ पथ संचलन में हिस्सा लिया। महमूदाबाद के जिला पंचायत गेस्ट हाउस में बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रान्त प्रचारक अवध प्रान्त कौशल जी ने कहा कि एक हजार वर्ष की पराधीनता का काल यह सिद्ध कर रहा था कि हम संगठित नहीं है। ऐसी परिस्थिति में यह संकल्प किया कि हम इस भारत के हिन्दू समाज को संगठित करेंगें। इसी के तहत संघ की स्थापना की गई। डा. हेडगेवार जी ने 1925 में नागपुर में अपने घर की एक कोठरी में बैठकर भारत के हिन्दू समाज का संकल्प लिया था। उन्होने उस समय कहा था कि हम सब मिलकर भारत के हिन्दू समाज का संगठन करेंगें। आज आरएसएस विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनकर खड़ा हो गया है। बौद्धिक सत्र के उपरांत पथ संचलन निकाला गया। जिला पंचायत गेस्ट हाउस से शुरू होकर कोतवाली मार्ग, बस स्टॉप, बजाजा चौराहा, चिकमण्डी चौराहा, रामकुण्ड होते हुए पुनः जिला पंचायत में समाप्त हुआ। पूरे रास्ते में विधायक आशा मौर्या, जैन समाज अध्यक्ष अनुज जैन सहित महिलाओं व गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर विभाग प्रचारक सीतापुर अभिषेक, जिला संघचालक बिसवां राजाराम, सह जिला प्रचारक विकल्प, जिला कार्यवाह देवेन्द्र, नगर संघचालक आशाराम, नगर प्रचारक चक्रपाणि, मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड रमेश वाजपेयी, शिवकुमार गुप्त, रितेश रस्तोगी आदि शामिल रहे।

हर्षोल्लास के साथ निकला जुलूस ए मोहम्मदी

महमूदाबाद (सीतापुर)। जुलूस-ए-मोहम्मदी व मदहे सहाबा महमूदाबाद में अकीदत व हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। मुख्य अतिथि मौलाना अब्दुल बारी फरूकी ने झंडा फहरा कर जुलूस की शुरुआत की। इस दौरान अंजुमनों ने तराना पेश किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना कारी फहमुद्दीन के तिलावत कुरान-ए-पाक से हुआ। जुलूस रेलवे स्टेशन के निकट स्थित जामा मस्जिद से निकल कर अपने कदीमी मार्ग पुरानी बाजार, कैथी टोला, तहसील मार्ग, चिकमंडी चौराहा, बजाजा बाजार होते हुए ठठेरी बाजार पर जाकर समाप्त हुआ। जुलूस के स्वागत में कई तोरण द्वार बनाये गये थे। सड़क के दोनों ओर बिजली की झालरों से सजावट की गई थी। जगह-जगह हलवा आदि के स्टाल लगाए गए थे। जुलूस में महमूदाबाद की अंजुमनों के साथ लखनऊ, बहराइच, जरवल, सीतापुर, बाराबंकी, बिसवां, सदरपुर, बकहुंआ, रामनगर, देवां, कुर्सी, टिकैतगंज आदि स्थानों की लगभग सवा सौ अंजुमनों ने शिरकत कर मदहे सहाबा की शान में नज्म व शेर पढ़े। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत मिलाद कमेटी के सदर हाजी सैदुद्दीन ने किया। इस अवसर पर चेयरमैन आमिर अरफात, सेक्रेट्री मोहम्मद इस्लाम, नायब सदर हाजी वसी, मौलाना उस्मान, कय्यूम हाशमी, मेराज, सईद सहित हजारों अकीदतमंद शामिल थे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एएसपी दुर्गेश सिंह, एसडीएम बीके सिंह, सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सीओ सिधौली कपूर कुमार, प्रभारी निरीक्षक महमूदाबाद अनिल सिंह, रामपुर मथुरा संजय पाण्डेय, सदरपुर राजेश कुमार, सिधौली बलवंत शाही, एसओ रामपुर कला पीयूष सिंह पीएसी व पुलिसबल के जवानों के साथ जुलूस के साथ मुश्तैद रहे।

भाकियू की पंचायत संपन्न, किसानों की समस्याओं को लेकर उठी जोरदार आवाज

बीकापुर -अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन बीकापुर की मासिक पंचायत गुरुवार को तहसील परिसर स्थित शहीद उद्यान में सम्पन्न हुई। पंचायत की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष संतोष वर्मा ने की। इस दौरान किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर गंभीर चर्चा की गई और उप जिलाधिकारी बीकापुर से बिंदुवार वार्ता कर समाधान का प्रयास किया गया।पंचायत को संबोधित करते हुए भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो यूनियन बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। उन्होंने कहा कि छुट्टा जानवरों और नीलगायों के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। बावजूद इसके प्रशासन की कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित है।उन्होंने मांग की कि छुट्टा जानवरों को पकड़कर गौशालाओं में बंद किया जाए, उनके भोजन-पानी की उचित व्यवस्था की जाए और उन्हें गौशाला टैग भी प्रदान किया जाए। साथ ही उन्होंने आगामी रबी सीजन के लिए डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता की मांग उठाई। उनका कहना था कि खरीफ सीजन में किसान यूरिया खाद के लिए परेशान रहा, अब रबी में ऐसा दोहराया न जाए।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम गणेश मौर्य ने कहा कि 1 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीद में न्याय पंचायत स्तर पर क्रय केंद्र खोले जाएं और किसानों का शोषण न हो।तहसील अध्यक्ष संतोष वर्मा ने तहसील क्षेत्र की भूमि संबंधी समस्याएं उठाते हुए कहा कि कई नाली, चकमार्ग और आरक्षित जमीनों पर अवैध कब्जा है, जिसे हटाने के लिए प्रशासन सक्रिय नहीं दिख रहा है। साथ ही उन्होंने गलत पैमाइश रिपोर्ट देने वाले राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की।पंचायत में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे और अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी करते रहे।

महिला एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की तरफसे किया गया कार्यक्रम

सीतापुर। विकासखंड खैराबाद में महिला एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी उपस्थित रहीं। दीप प्रज्वलित कर किया गया। सदस्य मके द्वारा उपस्थित बच्चियों का शुभ जन्मोत्सव, अन्नप्राशन संस्कार व गर्भवती महिलाओं का गोद भराई कार्यक्रम किया गया। सदस्या के उपस्थित महिलाओं व बच्चियों को शुभ आशीर्वाद दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की वेतन संबंधित मांगों को शासन तक पहुंचाने की बात की गई। महिलाओं को अपने कार्य को सुचारू रूप से करते रहने के लिए प्रशंसा भी की गई। स्टाल का भी निरीक्षण किया। जिला प्रोबेशन कार्यालय की तरफकन्या जन्मोत्सव व अन्नप्राशन वाली 6 बच्चियों को बेबी किट उपहार स्वरूप दी गई। इसके पश्चात समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र भी बांटे गए। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रिया पटेल के द्वारा महिला कल्याण विभाग में संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना रानी लक्ष्मीबाई योजना व महिलाओं से संबंधित हेल्पलाइन नंबर आदि की जानकारी देकर लोगों से बृहद स्तर पर लाभ लेने की सलाह दी गई।

घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार- दद्दन मिश्रा

हरगांव (सीतापुर)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कमी कर आम जनता और व्यापारियों को उपहार स्वरूप बचत का अवसर प्रदान किया गया है। इससे महंगाई में कमी आई है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को काफी लाभ हुआ है। यह बात श्रावस्ती जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने बुधवार को ब्लॉक कार्यालय के सभागार में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। वह कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार निरंतर जनता के हित में निर्णय ले रही है। जीएसटी में कमी से व्यापार सुगम हुआ है और आम आदमी की जेब में राहत पहुंची है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को स्वदेशी अपनाने और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने कहा केंद्र और प्रदेश सरकारें जनता की सुविधा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम के शुरुआत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर अतिथियों माल्यार्पण किया गया। समारोह में स्वच्छता मिशन, जीएसटी में कमी से आमजन को हुए लाभ और विदेशी उत्पादों के बहिष्कार के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों पर उत्साह व्यक्त किया।

टीवीएस क्रेडिट का एजेंट सीतापुर में गिरफ्तार

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में धोखाधड़ी और गबन जैसे अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे कठोरतम अभियान के तहत, कोतवाली नगर पुलिस टीम ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर ग्राहकों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक एजेंट को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान नितेश दीक्षित उर्फ शोभित दीक्षित पुत्र स्व. अवनीश कुमार दीक्षित, निवासी ऊंचा टीला तरीनपुर, सीतापुर के रूप में हुई है। अभियुक्त नितेश दीक्षित टीवीएस क्रेडिट के एजेंट के रूप में काम करता था। उसने जनपद के कई ग्राहकों, जिन्होंने अपने दोपहिया वाहनों का फाइनेंस टीवीएस क्रेडिट से कराया था।

उनसे किस्त जमा करने और लोन क्लियर कराने के नाम पर कुल 5,10,000 (पाँच लाख दस हजार रुपये) की राशि ली थी। इसके बाद, ग्राहकों को असली रसीद देने के बजाय, वह फर्जी भुगतान रसीद बनाकर देता था और कम्पनी को उनकी किस्तों का कोई भुगतान नहीं करता था। जिससे ग्राहकों के लोन अकाउंट में बकाया बना रहा।**गिरफ्तारी और कानूनी कारवाई** अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह के निकट पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नगर विनायक भोसले के नेतृत्व में कोतवाली नगर पुलिस टीम ने अभियुक्त को फर्जी टीवीएस क्रेडिट की रसीद और दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर सीतापुर में मु.अ.सं. 300/2025 पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त के इस गंभीर कृत्य के आधार पर अभियोग में संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए, अभियुक्त का चालान न्यायालय किया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

साण्डा-सकरन (सीतापुर)। थाना क्षेत्र सकरन इलाके के प्यारापुर गांव में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। यह अभियान 9 अक्टूबर 2025 को चलाया गया। जिसका उद्देश्य उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। अभियान के दौरान, महिलाओं और बालिकाओं को 1090 (वूमेन पावरहेल्पलाइन),1076(मुख्यमंत्री हेल्पलाइन),1098(चाइल्ड हेल्पलाइन) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त, 112, 102, 108, 181 और 1930 जैसे आपातकालीन सेवाओं के नंबरों की भी जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्रा ने बताया बेटियों को डरने की जरूरत नहीं है डटकर मुकाबला करने की जरूरत है। उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया गया। इनमें कन्या सुमंगला योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सामूहिक विवाह योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना निराश्रित महिला पेंशन योजना शामिल हैं।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित महमूदाबाद की ब्लॉक पहला की सरैंया बाजार

पहला (सीतापुर)। जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद अंतर्गत सरैंया बाजार में मूलभूत सुविधाओं का अभाव होने से क्षेत्रीय जनता परेशान है क्योंकि ब्लॉक स्तर के एक मात्र कस्बा होने के बाद भी आज तक बाजार में आए लोगों के लिए कोई शौचालय नहीं है। जिससे क्षेत्रीय जनता जो बाजार में सामन खरीद के लिए आती है। वह शौंच लगाने पर इधर उधर भागती फिरती है। वहीं कूड़ा घर न होने से सड़क किनारे कूड़ा डाला जाता है।

बन्द ठेके पर खुलेआम बिक रही है शराब

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता फर्रुखाबाद

ग्रामीण क्षेत्रों में मऊदरवाजा थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में पुलिस की मिली भारत से 24 घंटे शराब बिक रही है कोई भी अधिकारी देखने वाला नहीं है वही सेल्स मेनू का कहना है हम लाखों रुपए महीने देते हैं अगर समय देखेंगे तो अपना पैसा कैसे निकालेंगे क्षेत्र के गांव करनपुर जनैया सेठिया पुठरी मंदिर रोड पर कई देशी शराब के ठेके खुले हुए हैं जिनका ना बंद होने का कोई समय है ना खुलने का कोई समय है सुबह होते ही कैंटीन संचालक साइड में बैठकर खुलेआम ओवर रेट में शराब बेचते हैं समय के बारे में पूछने पर सेल्समैन ने दबी जवान बताया वह लाखों रुपए खर्च करते हैं जिसमें आबकारी विभाग और पुलिस दोनों को हिस्सा दिया जाता है अगर हम समय को देखेंगे तो हमारा पैसा कैसे निकल पाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं : डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने जिला चिकित्सालय अयोध्या का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने वार्डों का भ्रमण कर भर्ती मरीजों से संवाद किया और दवाओं की उपलब्धता एवं इलाज की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु वह समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या का मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल संतोषजनक रूप से कार्य कर रहे हैं। मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और जो भी समस्याएं सामने आती हैं, उन्हें त्वरित रूप से दूर किया जा रहा है।उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि लापरवाह स्वास्थ्यकर्मियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि कई ऐसे डॉक्टरों की पहचान की गई है जो अनुपस्थित रहते हुए भी वेतन ले रहे थे। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और नई नियुक्तियों की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है।निरीक्षण के बाद श्री पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।अपने अयोध्या प्रवास के दौरान डिप्टी सीएम ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी हर्षवर्धन सिंह की माता के निधन पर उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इससे पूर्व उनका हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में उतरा, जहां अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

मायावती की रैली के लिए उमड़ा जन सैलाब

लखनऊ-हाथ में तख्ती, नीला गमछा, बहुजन का झंडा और चारों तरफ से जय भीम, जय कांशीराम और जय मायावती के नारे...। यह गूंज थी राजधानी में 86 एकड़ में बने भव्य मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल की। 32 दिनों की तैयारी के बाद बृहस्पतिवार सुबह 9ः19 बजे बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती का आगमन हुआ। मान्यवर कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करने के बाद मायावती जनसभा पंडाल की तरफ बढ़ीं। प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए कुछ कदम आगे बढ़कर पांच लाख जनसैलाब का अभिवादन करने के बाद 66 मिनट तक समर्थकों को संबोधित किया।मायावती को सुनने के लिए बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली के साथ ही प्रदेश भर से लाखों की संख्या में समर्थक पहुंचे थे। अपने संबोधन में बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के समर्थकों का मनोबल बढ़ाया। साथ ही आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने का दावा भी किया। उन्होंने कांशीराम की नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताने की भी बात की। समर्थकों ने मायावती के आदेश और अपील को बूथ स्तर पर मजबूत करने की बात कही।मायावती की बात को सुनने के लिए रैली में पहुंचे पार्टी के पांच लाख समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। इससे पहले 2016 में मायावती के कार्यक्रम में करीब 3.5 लाख समर्थक जुटे थे। मंच से बोलते हुए बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यह भीड़ भाड़े की भीड़ नहीं है, बल्कि अपने खून-पसीने से कमाए पैसे से यहां तक पहुंची है।मायावती

भोर के चार बजे ही मैदान हो गया था फुल

66 मिनट तक बोलीं मायावती पांच लाख से ज्यादा भीड़ का अनुमान

जनसभा खत्म होते ही मान्यवर को नमन करने की लग गई होड़

बीएसपी सुप्रीमो मायावती की जनसभा खत्म होते ही मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करने की होड़ लग गई। चारों तरफ लगी बैरिकेडिंग को फांदकर समर्थक मुख्य स्मारक स्थल की तरफ आगे बढ़े। मुख्य भवन के अंदर मान्यवर कांशीराम की 18 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा पर समर्थकों ने एक एक कर फूल अर्पित किया। स्मारक स्थल पर देर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रही।

की जनसभा को सुनने के लिए दो दिन पहले से लोग लखनऊ पहुंचना शुरू हो गए थे। बुधवार रात अलग-अलग स्थलों पर लोगों को रोका गया लेकिन, मायावती को सुनने और देखने को बेताब जनता रात में ही मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर पहुंचा शुरू हो गए। बृहस्पतिवार सुबह 9 बजे से मायावती का संबोधन शुरू होना था लेकिन, सुबह चार बजे ही स्मारक स्थल फूल हो गया। लोगों की संख्या इतनी थी कि गेट से अंदर तक जाने जगह नहीं बची। हजारों की संख्या में लोग जनसभा खत्म होने के बाद अंदर पहुंचे।रैली में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। बसपा संगठन ने करीब पांच लाख लोगों के जुटान का दावा किया है।

सीजेआई पर हमले का प्रयास आतंकी कृत्य-माता प्रसाद

यूपी की योगी सरकार से त्रस्त हो चुकी है जनता

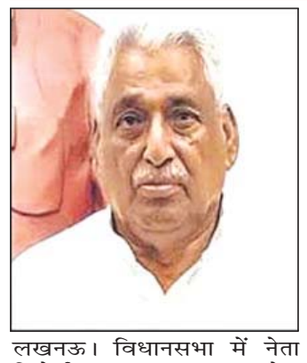

लखनऊ। विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने सर्वोच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने की कोशिश को आतंकी कृत्य बताया और कहा कि यह संविधान की मर्यादा को कमजोर करने का कुंठित प्रयास है। इसकी जितनी भी निंदा की जाय,उतनी कम है। विधान भवन स्थित कक्ष में मुलाकात के दौरान नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि यूपी में विकास का ढिढोरा पीटने वाली सरकार में भ्रष्टाचार की चर्चा ज्यादा हो रही है। आम आदमी परेशान है। उन्होंने कहा कि आम आदमी को जीएसटी का फायदा नहीं मिल रहा है। सिर्फ प्रचार करके वाहवाही लूटी जा रही है। बरेली जोने के सवाााल पर नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि पुलिस चाहे जितना प्रयास कर ले सपा का प्रतिनिधि मण्डल दोबारा बरेली के लिए निकलेगा। पुलिस का अत्याचार ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को फसाकर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। बसपा सुप्रिमो मायावती के बारे में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश के दलित मतदाताओं को अच्छी तरह मालूम है कि वह किसके लिए काम कर रही रही है। इसलिए उनका जनाधार खिसक गया है। इनसे ज्यादा 'रावण' की पार्टी का जोर है। श्री पाण्डेय ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा गरीबों, दलितों, पिछड़ों,अल्पसंख्यकों की आवाज को बुलंद किया है। आज पीडीए के बढ़ते प्रभाव से भाजपा डर गयी है।

कांशीराम को सांसद किसने बनाया? मायावती के सांठगांठ के आरोपों पर अखिलेश का पलटवार.

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। थानों में पोस्टिंग में भेदभाव हो रहा है। भाजपा के लोग अन्याय, अत्याचार करके निकल जाते हैं, उनके खिलाफकोई कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार झूठे मुकदमों का विश्व रिकार्ड बनाना चाहती है। गरीबों और निर्दोशों को प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था बेहद खराब है। एनसीआरबी का आंकड़ा बता रहा है कि उत्तर प्रदेश में दलितों पर देश में सबसे ज्यादा अन्याय हो रहा है। बहन-बेटियों के साथ सबसे ज्यादा अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही है। यह बातें उन्होने गुरूवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में व्यक्त कीं। श्री यादव ने बसपा प्रमुख का नाम लिए बगैर कहा कि उनकी भाजपा से अंदरूनी सांठगांठ जारी है। इसीलिए वो जुल्म करने वालों की आभारी हैं। भाजपा सरकार में पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों के साथ लगातार जुल्म हो रहा है। झूठे मुकदमें लगाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। अपमानित किया जा रहा है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होने समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान बसपा सरकार में बने पार्कों की साफ-सफाई न होने के बसपा प्रमुख के आरोपों पर कहा कि उनके अलावा उनकी मूर्ति समाजवादी पार्टी की सरकार में हमने ही लगवाई है। इसका रिकार्ड लिखित में है कि समाजवादी सरकार ने पार्कों के रखरखाव और साफ-सफाई के लिए एलडीए को आदेश जारी कर निर्देश दिया था। हमने खजूर के पेड़ सूखने पर पार्कों में वासिंगटोनिया और क्रोशिया के पेड़ लगवाए। ऐसे पेड़ लगवाएं जिनकी पत्तियां गिर जाने के बाद भी फूल आते हैं। भाजपा सरकार अगर मेंटीनेंस और रख-रखाव कर रही होती तो पत्थर काले नहीं पड़ते। श्री यादव ने बरेली में हुई घटना को साजिश बताते हुए आरोप लगाया कि कि कानपुर के अखिलेश दुबे के मामले को छिपाने के लिए भाजपा सरकार ने बरेली की घटना करायी। बरेली में जो कुछ हुआ वह सरकार की विफलता है। ज्ञापन देने का कार्यक्रम पहले से घोषित था लेकिन प्रशासन ने जानबूझ कर घटना होने दी। प्रशासन में कई लोग बैठे हैं जो जगह-जगह पर रहकर भाजपा को राजनीतिक लाभ दिलाने के लिए काम कर रहें हैं। बरेली में वही जिलाधिकारी है जिसने कटेहरी उपचुनाव में वोटो में धांधली करके भाजपा को जिताया था। श्री यादव ने कहा कि कानपुर में अखिलेश दुबे पर बुलडोजर नहीं चला क्योंकि उसमें पुलिस के बड़े अधिकारी और सौ पुलिस वाले फंस रहे हैं। बरेली में निर्दोषों पर इसलिए बुलडोजर चल रहा है क्योंकि वहां गरीब, समाजवादी पार्टी और अल्पसंख्यक लोग हैं।

सपा मुखिया को दंगाईयों में शान्ति दूत नजर आते है-योगी

मुख्यमंत्री ने जालौन को दी 1900 करोड़ से अधिक की 305 विकास परियोजनाओं की सौगात

जालौन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जालौन की धरती पर समाजवादी पार्टी और उनके नेताओं को खूब धोया। सपा मुखिया अखिलेश यादव उनके निशाने पर रहे। सीएम ने बताया कि आज सपा मुखिया के बयान को पढ़ रहा था, उन्हें भारत के सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और संत परंपरा में सांप्रदायिकता दिखती है और दंगाइयों में शांति के दूत नजर आते हैं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दंगा-फसाद करने वाले शांति के कथित दूतों, बेटियों व व्यापारी के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा करने वालों की जगह बता दी है। यह भी तय कर दिया गया है कि दंगा और दंगाई, अपराध-अपराधियों के साथ खड़े होने वालों की जगह कहां होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को 1900 करोड़ से अधिक की 305 विकास परियोजनाओं की सौगात जालौनवासियों को दी। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम ने दीपावली से पहले इन योजनाओं के लिए जालौन वासियों को शुभकामनाएं दीं।सीएम ने कहा कि प्रदेश में त्योहार चल रहे हैं। कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। उन्हें लगा कि जैसे सपा सरकार के समय उनके द्वारा उत्सव-त्योहारों के पहले दंगा किया जाता था, हिंदुओं के उत्साह पर पानी फेरने का कार्य होता था, यही कार्य वे अब भी कर लेंगे, लेकिन वे भूल गए कि यह भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार दंगाइयों के सामने नाक नहीं रगड़ती, बल्कि दंगाइयों को नाक रगड़वाकर त्योहारों के उत्साह को सुरक्षा व सम्मान के साथ आगे बढ़ाती है। 2017 के पहले त्योहारों में दंगाई उत्साह को भंग करते थे। सीएम ने कहा कि सपा को सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक अच्छे नहीं लगते थे। वे इन्हें तोड़ने की बात करती थी। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही सामाजिक न्याय व दलित उत्थान से जुड़े महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को समाप्त करने की घोषणा की थी। समाजवादी पार्टी ने 2012 में सत्ता में आते ही प्रदेश में एक जनपद, एक माफिया पैदा करके अराजकता फैलाना प्रारंभ कर दिया था। यह लोग नौजवानों के रोजगार पर डकैती और बेटी की सुरक्षा पर सेंध लगाते थे। उस समय इनके नेता कहते थे कि लड़के हैं, गलती कर देते हैं। जिस समाजवादी आंदोलन को डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे चिंतकों ने ऊंचाई दी थी, वह सपा आज गुंडे, पेशेवर माफिया व अपराधियों का जमावड़ा बन गई है। 2017 के पहले भी लोग कहते थे कि देख सपाई, बिटिया घबराई। यह भी कहते थे कि जिस गाड़ी में सपा का झंडा, देखो होगा सपा का गुंडा। यह लोग गरीबों को लूट रहे थे। राशन, मकान, शौचालय, राहत कार्य, विकास, रोजगार नहीं मिल रहा था।

लाभार्थियों को दिए चेक

झांसी। जनपद के दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को योजना के चेक प्रदान किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टूलकिट का वितरण किया। सीएम ने इस अवसर पर लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया। इसी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ ने नव निर्मित कन्वेंशन सेंटर का भी लोकार्पण किया।मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत हृदयेश पाल को आइसक्रीम विनिर्माण के लिए, संतोष कुमार को टेंट हाउस के लिए, प्रतीक को फोटो फ्रेमिंग और पूजन सामग्री निर्माण के लिए, पवन गौहर को डीजे साउंड सिस्टम के लिए, रीना सोनी को ब्यूटी पार्लर के लिए और रोहित कुशवाहा को फ्लावर डेकोरेशन का काम शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से चेक प्रदान किए। इसके अलावा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को सीएम ने टूल किट प्रदान किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुशबू साहू, आशा देवी, ज्योति, मोनू श्रीवास, समित कुशवाहा और सोनिया कुशवाहा को योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के व्यवसाय से संबंधित टूल किट प्रदान किया। इस मौके पर स्थानीय जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

रंगे हाथ पकडे गए पतिदेव ने गर्लफ्रेंड से पिटवा दी धर्मपत्नी

कानपुर -कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर उस वक्त एक पारिवारिक ड्रामा देखने को मिला, जब एक पत्नी ने अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ घूमते रंगे हाथों पकड़ लिया... फिर क्या था, बीच सड़क पर ही तीनों के बीच जबरदस्त हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया, जो गाली-गलौज से शुरू होते हुए मारपीट तक जा पहुंचा. इस पूरी मारपीट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।महाराजपुर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने पति को नरवल मोड़ के पास उसकी प्रेमिका के साथ देख लिया। त्योहार के मौके पर घर आए पति पर पत्नी को पहले से ही शक था, और उसका शक सही निकला। पत्नी को देखते ही पति और प्रेमिका के होश उड़ गए और फिर सड़क पर ही महाभारत का मंच सज गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले तो पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई, लेकिन थोड़ी ही देर में बात इतनी बढ़ी कि पति ने पत्नी पर हाथ उठा दिया और उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद गर्लफ्रेंड ने पत्नी को धुन डाला।

खाद्य प्रसंस्करण नीति के तहत उद्योग स्थापना में बरेली प्रथम पायदान पर

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत प्राप्त परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्यवाही करने, स्थापित इकाइयों के सब्सिडी आदि के प्रकरणों की समीक्षा करते रहने व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश कराना है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा देश की सर्वोत्तम उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न योजनायें संचालित है।उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य द्वारा लगातार यह निर्देश दिये जाते रहे हैं कि किसानो द्वारा उत्पादित खाद्य सामग्री किसी भी दशा मे बर्बाद न हो, और उन्हे उसके उचित दाम भी मिले, दूसरी तरफ अधिक से अधिक उद्यम स्थापित कराकर लोगो को रोजगार से जोड़ना है। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों हेतु कच्चे माल की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया जाय,जिससे स्थानीय कृषकों की आय में वृद्धि हो सके। श्री मौर्य द्वारा कच्चे माल की उपलब्धता स्थानीय कृषको, एफपीओ के सहयोग से कराये जाने पर बल दिया जा रहा है। यूपी मे फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री निवेश व रोजगार का नया केंद्र बन रही है। किसानों से लेकर युवाओं तक को लाभ दिया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा, किसानो से औद्योगिक समन्वय का लाभ गांव गांव पहुंचेगा।

महिला आयोग की पहल पर करवा चौथ मनाएंगी महिला बंदियाँ अपने पतियों संग

लखनऊ-महिलाओं के अधिकारों एवं उनके सम्मान की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक अभूतपूर्व और संवेदनशील पहल की है। आयोग द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित महिला बंदीगृहों में आवासित महिलाएँ आगामी 10 अक्टूबर 2025 को करवा चौथ का पर्व अपने पतियों की उपस्थिति में पारम्परिक रूप से मनाएँगी।

जितनी बिजली दे उतना राजस्व वसूलें, लाइन हानियॉ कम करें-चेयरमैन

एमडी, डायरेक्टर व मुख्य अभियन्ता रेग्यूलर कार्यो की करें समीक्षा

लखनऊ। विद्युत बिल वसूलने के लिये अभियान चलाइये। सभी अधिकारी और कर्मचारी इस कार्य में मिशन के रूप में लगें। एक-एक बिजली बकायेदार से सम्पर्क कर बकाया वसूलें। आपकी जिम्मेदारी है कि जितनी बिजली दे उतना राजस्व वसूलें और लाइन हानियॉ कम करें। बेहतर विद्युत व्यवस्था के लिये यह जरूरी है। निर्धारित लक्ष्य पूरा करें। यह निर्देश गुरूवार को यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार गोयल ने विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि प्रबन्ध निदेशक, निदेशक व मुख्य अभियन्ता रेग्यूलर कार्यो की समीक्षा करें। अपने क्षेत्रों में विद्युत चोरी रोकने, विद्युत बिल वसूलने, बिल रीडिंग एवं वितरण, विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटरिंग तथा स्थानीय विद्युत दोषों आदि की व्यवस्था चुस्त दुरूस्त रहे यह सुनिश्चित करिये। उन्होंने कहा कि आपको लीडरशिप देकर नीचे तक व्यवस्था सुधारनी है। जो लोग अच्छा परिणाम दे रहे हैं उनको प्रमोट करिये साथ ही जो बेहतर कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरूद्ध कार्यवाई करिये। नीचे तक कार्यवाई होनी चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि जहॉ भी स्थानीय फाल्ट हो उन्हें कम से कम समय में ठीक किया जाये। अधिकारी सजगता बरतें। बिजली बाधित होने पर विभिन्न माध्यमों से उपभोक्ताओं को पूरी सूचना दें। जिससे कोई समस्या न पैदा हो। उन्होने बैठक में निर्देश दिये कि हर डिवीज़न स्तर पर ऐसे एरिया या क्लस्टर का चयन कर लिया जाये जिनको तकनीकी और वाणिज्यक रूप से आदर्श बनाया जायेगा। इन क्षेत्रों में सर्वे कर शत-प्रतिशत उपभोक्ता मीटरों की स्थापना, मीटरों को बाहर सुविधा जनक स्थान पर लगाना, विद्युत् चोरी की रोकथाम, नेवरपेड और लॉग अनपेड कंज्यूमर के लिये समर्पित कैंप भी लगाये। इन क्षेत्रों को लाभकारी क्षेत्रों में विकसित किया जायेगा। अध्यक्ष ने कहा कि सबस्टेशन पर टीजी-2 की ड्यूटी लगायी जाये। वे बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करें और सुबह 10 से उपस्थित रहें। जहॉ पर अवर अभियन्ता नही है वहॉ योग्यता और आवश्यकता के अनुरूप टीजी-2 का उपयोग करने के लिये अवर अभियन्ता का चार्ज देने पर विचार किया जाये। अध्यक्ष ने वाट्सएप ग्रुप बनाने के लिये भी सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी ग्रुप में कम से कम 500 सदस्य रहें जिससे बेहतर ढ़ग से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। गलत रीडिंग लेने और गलत डेटा फ़ीड करने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें।

कनेक्शन में देरी पर एक्सईएन व जेई को निलम्बित करने का निर्देश

निवेश मित्र पोर्टल पर एलएमवी-2 वाणिज्यिक कनेक्शन देने में विलम्ब पर वाराणसी के चन्दौली के अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता को निलम्बित करने के निर्देश दिये गये। चन्दौली डिवीजन में उपभोक्ता ने 13 अगस्त को वाणिज्यिक कनेक्शन के लिये आवेदन किया था। उसने इस्टीमेट भी जमा कर दिया था। इसके बावजूद कनेक्शन मिला। यह शिकायत अध्यक्ष के पास आयी जिस पर उन्होंने सख्त कार्यवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इसमें विलम्ब के लिये जिम्मेदारी तय की जाये और इसके लिये जिम्मेदार कार्मिकों को निलम्बित किया जाये। डॉ.गोयल ने कहा कि उपभोक्ता का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की व्यय विवरणी न देने वाले पंजीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे राजनैतिक दल जो विगत 06 वर्षों में लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में प्रतिभाग करने के बाद भी निर्धारित तिथि तक अपनी अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी आयोग को प्रस्तुत नहीं किया था, ऐसे राजनैतिक दलों की अपने कार्यालय कक्ष में सुनवाई की। 09 अक्टूबर गुरुवार को सुनवाई के अंतिम दिन 52 राजनैतिक दलों को बुलाया गया था, इसमें 26 राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सीईओ द्वारा विगत तीन दिनों तक की गई सुनवाई में कुल 66 दलों के पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा।

अयोध्या में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिवार संग उतारी प्रभु श्रीरामलला की आरती

अयोध्या । भारत की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाली प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में गुरुवार का दिन अत्यंत पावन रहा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने परिवार संग प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और श्रीराम दरबार व जगज्जननी मां दुर्गा के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कुबेर टीला स्थित देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक भी किया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने वित्त मंत्री को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। निर्मला सीतारमण ने मंदिर के भव्य स्वरूप को देखकर आस्था और गर्व की भावना व्यक्त की।आरती के दौरान श्रीरामलला का दरबार भक्ति रस से सराबोर हो उठा। सरयू तट से आती मंद बयार और मंदिर प्रांगण में गूंजते भजनों ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। वित्त मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद आरती में शामिल श्रद्धालुओं के साथ जय श्रीराम का उद्घोष किया।अयोध्या अब केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को रामायणकालीन इतिहास और आधुनिक भव्यता का संगम देखने को मिलता है।

भारत की शिक्षा सदैव ज्ञान के प्रसार और साझा करने की भावना पर आधारित-आनंदीबेन

प्रदेश के नौ विश्वविद्यालयों तथा वियतनाम की विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ।भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की शिक्षा सदैव ज्ञान के प्रसार और साझा करने की भावना पर आधारित रही है। यह उद्गार प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में उत्तर प्रदेश के 09 विश्वविद्यालयों तथा वियतनाम में हो ची मिन्ह सिटी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फ इनेंस यूईएफ एवं ह्यूटेक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के मध्य विविध विषयों पर हुए एमओयू की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा की वैदिक काल में गुरु शिष्य परंपरा, बुद्ध काल में महात्मा बुद्ध के द्वारा करुणा ज्ञान और आत्मबोध के संदेश को सीमाओं से परे विश्व में फैलाया गया। इसी प्रकार जैन आचार्य ने भी ज्ञान की ज्योति को एक देश से दूसरे देश तक पहुंचाया है। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्र बताते हुए कहा कि आज के ये समझौते उसी प्राचीन परंपरा के आधुनिक रूप हैं, जहां शिक्षा सीमाओं को पार कर विश्व बंधुत्व का मार्ग प्रशस्त करती है। राज्यपाल ने कहा कि भारत और वियतनाम की सभ्यताएं प्राचीन काल से ही ज्ञान परिश्रम और शांति की धारा से जुड़ी रही हैं। शिक्षा का यह पुल दोनों देशों को न केवल ज्ञान में बल्कि मानवीय संवेदनाओं में भी और अधिक समीप लाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल शिक्षा को स्थानीयता से वैश्विकता की ओर अग्रसर करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कदम है। विचारों और अनुभवों का यह आदान-प्रदान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, दृष्टिकोण और चिंतन को व्यापक बनाएगा। आज राजभवन में संपन्न इस कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर, लखनऊ विश्वविद्यालय, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपतिगणों और अध्यक्ष यूनिवर्सिटी ऑफइकोनॉमिक्स एंड फ इनेंस यूईएफ डॉ गुयेन थान गियांग उपाध्यक्ष यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस यूईएफ हो ची मिन्ह सिटी वियतनामए डॉ नगो मिन्ह हाई उपाध्यक्ष ह्यूटेक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी हो ची मिन्ह सिटी प्रो गुयेन थान फुओंग के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित हुए।

अखिलेश बताएं क्यों किया था मान्यवर कांशीराम का अपमानः असीम अरुण

लखनऊ,। योगी सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने मान्यवर कांशीराम जी के नाम पर बने जिलों, मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से उनका नाम काटने का काम किया। लखनऊ के भाषा विश्वविद्यालय और सहारनपुर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब उनके पास गलती से मुख्यमंत्री की कलम आई थी, तब भी उन्होंने केवल अपमान करने का काम किया। मंत्री असीम अरुण ने अखिलेश यादव से सवाल किया कि उन्हें आज क्यों बाबा साहब और मान्यवर कांशीराम जी की याद आ रही है, जबकि उन्होंने पूर्व में उनके अपमान में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5-14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ- 226001 से मुद्रित तथा 486/238-डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ-226020 से प्रकाशित।

सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।